डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

'राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन : विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में'

हिन्दी कार्यशाला प्रतिवेदन

(दिनांक 28 मार्च, 2025)

राजभाषा प्रकोष्ठ

हिन्दी कार्यशाला प्रतिवेदन

विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभाषा प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय के कार्मिकों के लिए प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इन कार्यशालाओं के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन हेतु समय–समय पर जारी निर्देशों एवं नियमों से तो अवगत कराया ही जाता है साथ ही कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा के प्रयोग में आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की जाती है।

इसी क्रम में दिनांक **28 मार्च, 2025** को विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु '**राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयनः विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में**' विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली से पधारे शिक्षा अधिकारी डॉ. अमित कुमार वर्मा रहे।

डॉ. अमित कुमार वर्मा ने उपस्थित अधिकारियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं विश्वविद्यालयों में उसके सफल कार्यान्वयन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा का समुचित उपयोग तभी सम्भव है जब हम हिन्दी के प्रयोग को लेकर अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि हिन्दी प्रयोग की धारा का प्रवाह ऊर्ध्व से सतह की ओर होता है। जब हमारे अधिकारीगण सहज–भाव से अपने कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करते हैं तो अधीनस्थ कार्मिक स्वतः ही हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी एवं भाषा ज्ञान के मेल से

राजभाषा प्रयोग को सहज बनाया जा सकता है। इस दिशा में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ई–शब्दकोश, अनुवाद एवं टाइपिंग टूल्स विकसित किए जा रहे हैं, कार्यालयीन कामकाज में उनका भी भरपूर उपयोग किया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने नीतियों के अनुपालन में प्रशासनिक एवं नियंत्रण अधिकारियों की भूमिका पर अपनी बात रखते हुए कहा कि डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय हिन्दी भाषी क्षेत्र 'क' में स्थित है और विश्वविद्यालय के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं, ऐसे में संबंधित अनुभागों एवं कार्यालयों में हिन्दी में कामकाज सुनिश्चित करना हम सभी का उत्तरदायित्व है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य शीर्षस्थ अधिकारीगण प्रस्तुत नस्तियों एवं आदेशों पर हिन्दी में ही हस्ताक्षर एवं अनुमोदन करते हैं। हम सभी अधिकारियों को इससे प्रेरित होकर अपना दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज हिन्दी में करना सुनिश्चित करना चाहिए।

कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार वर्मा ने प्रतिभागी अधिकारियों की राजभाषा एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू एवं डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव श्री राजकुमार पाल, श्री दीपक कुमार शाक्य, श्रीमती ए. लक्ष्मी एवं श्री आशीष कुमार तिवारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से डॉ. रूपेन्द्र कुमार चौरसिया एवं श्री सचिन सिंह गौतम, चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण माहेश्वरी एवं डॉ. भूपेन्द्र पटेल, सहायक अभियंता श्री राहुल गिरी गोस्वांमी, अनुभाग अधिकारी डॉ. उदय श्रीवास्तव एवं डॉ. अशोक सैनी तथा राजभाषा प्रकोष्ठ से हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक आदि उपस्थित रहे। कार्याशाला का संयोजन एवं संचालन संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने किया।

***

कार्यशाला के छायाचित्र

समाचार पत्रों की कतरनें

विवि में हिंदी कार्यशाला का हुआ आयोजन

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में राजभाषा प्रकोष्ठ प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन करता है। विश्वविद्यालय अतिथि गृह में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। नई दिल्ली के शिक्षा अधिकारी डॉ. अमित कुमार वर्मा ने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा का समुचित उपयोग तभी संभव है जब हम हिन्दी प्रयोग को लेकर अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त हो जाते हैं। जब हमारे अधिकारीगण सहज-भाव से अपने कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करते हैं तो अधीनस्थ कार्मिक स्वतः ही हिन्दी में कार्य के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यशाला में डॉ. किरण माहेश्वरी, डॉ. भूपेन्द्र पटेल, राहुल गिरी गोस्वामी, अनुभाग अधिकारी डॉ. उदय श्रीवास्तव व डॉ. अशोक सैनी आदि मौजूद रहे।

प्रौद्योगिकी–ज्ञान के मेल से राजभाषा सहज

नवभारत न्यूज

सागर 3 अप्रैल. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ में प्रशासनिक अधिकारियों हेतु राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में विषय पर हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई.

कार्यशाला के विषय–विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार वर्मा ने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा का समुचित उपयोग तभी संभव है जब हम हिन्दी प्रयोग को लेकर अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त हो जाते हैं. उन्होंने बताया कि हिन्दी प्रयोग की धारा का प्रवाह ऊर्ध्व से सतह की ओर होता है. जब हमारे अधिकारीगण सहज–भाव से अपने कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करते हैं तो अधीनस्थ कार्मिक स्वत: ही हिन्दी में कार्य के लिए प्रेरित होते हैं. उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी एवं भाषा ज्ञान के मेल से राजभाषा प्रयोग को सहज बनाया जा सकता है.

कार्यशाला में डॉ. मोहन टी.ए., डॉ. मुकेश साहू डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, राजकुमार पाल, दीपक शाक्य, ए .लक्ष्मी , आशीष तिवारी, डॉ. रूपेन्द्र कुमार चौरसिया, सचिन सिंह गौतम, डॉ. किरण माहेश्वरी, डॉ. भूपेंद्र पटेल, राहुल गिरी गोस्वामी आदि मौजूद रहे.

हिंदी कार्यशाला 'राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन विवि के विशेष संदर्भ में' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया

प्रौद्योगिकी व भाषा ज्ञान के मेल से राजभाषा को सहज बना सकते हैं

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में विवि के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए 'राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन विवि के विशेष संदर्भ में' विषय पर हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित भारत सरकार के विवि अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय के शिक्षा अधिकारी डा. अमित कुमार वर्मा ने कहा कि कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा का समुचित उपयोग तभी संभव है जब हम हिंदी प्रयोग को लेकर अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त हो जाते हैं।

उन्होंने बताया कि हिंदी प्रयोग की धारा का प्रवाह ऊर्ध्व से सतह की ओर होता है। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी एवं भाषा ज्ञान के मेल से राजभाषा प्रयोग को सहज बनाया जा सकता है। इस दिशा में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ई-शब्दकोश, अनुवाद एवं टाईपिंग टूल्स विकसित किए जा रहे हैं, जिसका कार्यालयीन कामकाज में उनका भी भरपूर उपयोग किया जाना चाहिए।

विवि में हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।● नवदुनिया

विवि के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं: विवि के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि डाक्टर हरीसिंह गौर विवि हिंदी भाषी क्षेत्र 'क' में स्थित है और विवि के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं, ऐसे में संबंधित अनुभागों एवं कार्यालयों में हिन्दी में कामकाज सुनिश्चित करना हम सभी का उत्तरदायित्व है। उन्होंने बताया कि विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य शीर्षस्थ अधिकारीगण प्रस्तुत नस्तियों एवं आदेशों पर हिन्दी में ही हस्ताक्षर एवं अनुमोदन करते हैं। कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार वर्मा ने प्रतिभागी अधिकारियों की राजभाषा एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डा. मोहन टीए, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. मुकेश साहू एवं डा. अनुराग श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल, दीपक कुमार शाक्य, ए लक्ष्मी एवं आशीष कुमार तिवारी, डा. रूपेन्द्र कुमार चौरसिया एवं सचिन सिंह गौतम, चिकित्सा अधिकारी डा. किरण माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने किया।